Fourteenth Loksabha

Session : 4
Date : 03-05-2005
Participants : Suman Shri Ramji Lal,Yadav Shri Devendra Prasad,Lalu Prasad Shri

an>

Title: Re:Alleged misbehaviour by the Railway staff with Members of Parliament travelling in first class A/c coach in Delhi-Howrah Rajdhani Express on 29.4.2005

13.07 hrs

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव (झंझारपुर) : अध्यक्ष महोदय, जो वाय श्री रघुनाथ झा के जरिए दिया गया है, मैं उस वाय पर बोलना नहीं चाहता हूं । यह विशेााधिकार हनन का वाय आपके विचाराधीन है, आपने इसे गंभीरता से लिया है, इसके लिए मैं आपका आभारी हूं । मैं इस वाय को इसलिए महत्वपूर्ण समझता हूं क्योंकि इसमें समय की बहुत महत्वपूर्ण स्थिति है ।

अध्यक्ष महोदय, 29 अप्रैल को शाम पांच बजे कलकत्ता राजधानी एक्सप्रैस, ट्रेन संख्या 2306 से 18 माननीय सांसद यात्रा कर रहे थे, जिनमें भारत सरकार के राज्य मंत्री भी थे …(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय, 18 सांसद उसमें यात्रा कर रहे थे जिनमें शकील अहमद, भारत सरकार के राज्य मंत्री, भी उसमें यात्रा कर रहे थे । महोदय, वाय की महत्ता को देखते हुए मैं आपकी नॉलेज में लाना चाहता हूं कि ट्रेन के कानपुर पहुंचते ही ऐसा लगा कि अपराधी ट्रेन से क्रॉस कर रहे हैं, इसलिए तुरंत घेराबंदी करनी है । एक-एक कूपे में करीब आधा-आधा दर्जन आरपीएफ के जवान, रेलकर्मी और टीटी *. पहुंच गए और बोले इसको खोलो। इसे खोला गया।

MR. SPEAKER: This will not go on record.

*** Not Recorded.**

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : अध्यक्ष महोदय, संसद परिसर में स्थित रेल बुकिंग काउंटर में एसी फर्स्ट क्लास का चार्ट होता है। चार्ट में लिखा होता है कि कौन-कौन एमपी पांच बजे से नौ बजे तक ट्रेन से जाने वाले हैं। लेकिन उन्हें यह देखने की फुर्सत नहीं मिली, उन्होंने रात के समय चैक किया। जो हावड़ा में जाने वाला टीटी था, ट्रेन अधीक्षक था, उन सब लोगों ने चैक किया। जो टर्नअप एमपी होता है, उस चार्ट में टर्नअप लिखा होता है और जो एमपी टर्नअप नहीं होते हैं या उनकी जगह पर कोई और जाता है तो उसे गिरफ्तार करना SÉÉÉÊcA[p16][p15]।

वह गैर-कानूनी नहीं है, इसलिये हम लोगो को कोई पता नहीं है। आज संयोग ऐसा है कि एक भी 'नो टर्न अप' है, कोई दूसरे लोग भी बिना टिकट नहीं जा रहे थे, वह बर्थ खाली जा रही थी। माननीय राज्य मंत्री डा. शकील अहमद के कूपे को भी खोलने के लिये कहा गया। वहां एक रेलकर्मी, जो लगातार हावड़ा तक जाता है, ने कहा कि इस कूपे में राज्य मंत्री, भारत सरकार हैं। तभी ए.डी.आर.एम. … * इलाहाबाद ने कहा…(व्यवधान)

अध्यक्ष महोदय : नाम रिकार्ड में नहीं जायेगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद यादव : उसने भी कहा कि मैं भी भारत सरकार का हूं, वह मंत्री हुआ तो क्या हुआ, हम चैक करेंगे। अध्यक्ष महोदय, रात के 10.00 या 10.30 बजे कानपुर में घटना हुई और उसके बाद रात 12.30 बजे उसी ट्रेन में इलाहाबाद में हुआ और कहा गया कि चैक करेंगे। आइडैंटिटी कार्ड देखा गया, टिकट देखा गया, उसके बाद दुबारा कानपुर से जो सूचना मिली, उसके अनुसार रात 12.30 बजे इलाहाबाद में माननीय सदस्य जो उस ट्रेन में जा रहे थे, उन्हें जगाया गया, ठोक-ठोककर एक-एक कूपे को खोला गया, देखा गया लेकिन कहीं कोई अनियमित गड़बड़ी नहीं पायी गई। कोई बिना टिकट नहीं पाया गया। अब क्या करें, कोई उपाय नहीं था। वहां पहले ही से मीडिया को बुलाकर रखा गया था। फोटोग्राफर, प्रैस रिपोर्टर इलाहाबाद स्टेशन के प्लेटफार्म पर थे। माननीय सदस्यों से एक बार फिर कहा गया। ए.डी.आर.एम. जांच दल का नेतृत्व कर रहे थे, इसलिये माननीय सदस्यों को बताना होगा। कुछ माननीय सदस्य तो गंजी पहने हुये थे, जिन्हें कपड़े पहनने का मौका नहीं मिला। आर.पी.एफ. के सैंकड़ों जवान स्टेशन पर तैनात थे जैसे मलखान सिंह उस ट्रेन से जा रहा हो। उन्होंने रेल गाड़ी को घेर लिया। तीन डिब्बों को घेरा गया जिसमें खासतौर पर ए.सी. फर्स्ट क्लास का डिब्बा भी था। ए.डी.आर.एम. वहां नशे मे धुत खड़े थे। माननीय सदस्यों ने उनसे पूछा कि हमें क्यों प्लेटफार्म पर बुलाया गया है और वह भी रात के

---

* Not Recorded.

12.30 बजे हैं। क्या रेल में चैक करने का कोई नियम है या नहीं? हम तो बोनाफाइड पैसेंजर्स हैं, हमे सोने भी नहीं दिया गया। तो कहा गया कि वह चैक करना चाहते थे क्योंकि इस ट्रेन में बराबर गड़बड़ करने वाले लोग चलते हैं। माननीय सदस्यों ने कहा कि आप चैक करिये लेकिन हमें प्लेटफार्म पर क्यों बुलाया जा रहा है। टिकट देखने के लिये कहा गया, वह दिखाया गया, आइडैंटिटी कार्ड दिखाने के लिये कहा गया, वह भी दिखाया गया। इसके बाद माननीय सदस्यों से कहा गया कि आप जा सकते हैं। ए.डी.आर.एम. ने कहा कि वह अभी आधा घंटा गाड़ी पर रहेंगे।, चैक करेंगे और सब जगह देखेंगे। उसके बाद फौरन प्रैस फोटोग्राफर को इशारे से बुलाकर उनका फोटो लेने के लिये कहा। अध्यक्ष महोदय, यह इन लोगों की पुरानी आदत है। ऐसी गड़बड़ पहले भी हुई थी और फोटोग्राफर को बुलाकर अगले दिन अखबारों में फोटो छपवाई गई। मैंने इस बात को तकलीफ के साथ उठाया। आपने समय दिया। दूसरे दिन पेपर में आया 'सांसदों ने मचाया उत्पात।' अफसोस की बात यह है कि जब यह घटना घटी, उस समय उन लोगों को क्यों नहीं पकड़ा गया। जब वे बिना टिकट नहीं थे, गैर-कानूनी नहीं चल रहे थे, तब उनके उत्पात को मीडिया के सामने रखकर माननीय सासंदों की इमेज को खराब कर दिया। माननीय अध्यक्ष जी, यह सदन की मर्यादा का सवाल है। इसमें सांसदों का अपमान भी हुआ है, उनके साथ दुर्व्यवहार हुआ है। इसलिये मै आपके संज्ञान में यह बात लाना चाहता था। आप इस हाउस के कस्टोडियन हैं, हम लोगों के अधिकारों के संरक्षक हैं। इसलिये कार्य संचालन नियमावली के तहत जो कार्यवाही आप करना चाहें, करें लेकिन प्रथम दृटा रिपोर्ट के अनुसार माननीय रेल मंत्री जी को उस अधिकारी को निलम्बित कर के जांच बैठानी चाहिये। यही मेरा कहना है।... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Very well, the Minister wants to respond to this issue.

SHRI RAMJI LAL SUMAN : Sir, I also want to speak on the same issue.

अध्यक्ष महोदय : आपको क्या सेम इंसीडेंट पर बोलना है। आप एसोसिएट कर दीजिये तो आपका कहना भी जोरदार हो जायेगा।

श्री रामजीलाल सुमन : अध्यक्ष जी, मैं भी इस मामले से स्वयं को सम्बद्ध करता हूं।

... (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: I do not know. There can be no two punishments on the same issue. It is entirely for you to see.

... (*Interruptions*)

रेल मंत्री (श्री लालू प्रसाद) : अध्यक्ष महोदय, अखबारों में जैसे ही यह खबर छपी तो हमने इसकी पूछताछ की। इस मामले में बड़ा भारी ाड्यंत्र लगता है कि किसी आदमी ने विजिलेंस का हवाला देकर टेलीफोन कर दिया कि इन कोचेज में एम.पीज़ के नाम पर नाजायज लोग जा रहे हैं। जबकि सभी एम.पीज. लोगों का आरक्षण के साथ टिकट था, ट्रेन सुपरिंटेडेंट सब उनको पहचानते थे, रास्ते में सभी लोगों को चैक भी किया था, फिर पहले स्टापेज कानपुर और फिर दूसरे स्टापेज इलाहाबाद में चैक किया गया। माननीय सदस्य का यह कहना सही है कि इलैक्ट्रौनिक मीडिया, छायाकार और पत्रकार पूरी तैयारी के साथ मौजूद थे। इसके अलावा रेल के अधिकारी, पुलिस बल भी था। रात 12.30 बजे सोई हुई अ वस्था में लोगों को उनके कूपे को थपथपाकर खोला गया और उन्हें नीचे उतारे जाने की बात की गइÇ[RB17]।

यह बहुत दुखद है। हमने इसे गम्भीरता से लिया है। उसमें बिना टिकट कोई लोग नहीं थे। श्री सिंह, जो पदाधिकारी इस तरह का व्यवहार कर रहे थे, हमने उन्हें कल ही निलम्बित करने तथा मामले की पूरी जांच करने का निदेश दिया गया है तथा हिदायत दी गई है कि जहां माननीय सांसद हों और वे जहां गाड़ी पर बैठते हैं, वहां सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए उन्हें उसी समय देखना है कि सचमुच में वह प्रोपर जगह पर बैठे हैं या नहीं बैठे हैं। हमारे रेलवे कर्मियों में चाहे टी.टी.ई. हों, चाहे पुलिस कर्मी हों, अगर कोई इस तरह का व्यवहार करता है तो किसी के दुर्व्यवहार को हमारी मिनिस्ट्री टोलरेट नहीं करेगी। मैं सदन को आश्वस्त करना चाहता हूं कि बिल्कुल बोनाफाइड मैनर में लोग जा रहे थे। जब से मैं रेल मंत्री बना हूं, कहीं भी कोई आदमी बिना टिकट के नहीं जाता है। यह सब जानबूझकर किसी ने प्लान किया है। ताकि इन मंत्रियों और खासकर हमारे दल के ही एम.पीज. ज्यादा थे, उसके बाद एन.डी.ए. के लोग भी दूसरी कोच में बैठे हुए थे, इस सारे ऐपिसोड की मैं तहकीकात करवा रहा हूं और मैं इस पर तुरंत कार्रवाई करूंगा।

MR. SPEAKER: It is for you to make an inquiry.

… (*Interruptions*)

MR. SPEAKER: Shri Pawan Kumar Bansal, I have received two notices from you. On which subject do you wish to speak?